Toppersnotes®
Unleash the topper in you

CUET - UG

Common University Entrance Test

National Testing Agency

सामान्य परीक्षण

सामान्य अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

CUET (UG)

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	16
5.	भारत की मिट्‌टी मृदा	22
6.	जलवायु	23
7.	भारत में खनिजों का वितरण	24
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	27
9.	परिवहन	30
10.	कृषि	34
	भारत का इतिहास	
1.	प्राचीन इतिहास	37
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	38
	• वैदिक काल	41
	• बौद्ध धर्म	44
	• जैन धर्म	46
	• महाजनपद काल	47
	• मौर्य वंश	48
	• गुप्त वंश	
2.	मध्यकालीन भारत	
	• भारत पर आक्रमण	55
	• सल्तनत काल	56

	• मुगल काल	62
	• भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	68
	• मराठा उद्भव	69
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	71
	• भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	71
	• मराठा शक्ति का उत्कर्ष	74
	• अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ	76
	• गवर्नर व वायसराय	78
	• 1857 की क्रान्ति	83
	• प्रमुख आन्दोलन	84
	• कांग्रेस अधिवेशन	88
	• भारतीय क्रांतिकारी संगठन	99
4.	भारतीय संविधान	
	• संविधान का विकास	101
	• संविधान की पृष्ठभूमि	102
	• संविधान के भाग	104
	• अनुसूचियां	116
	• प्रस्तावना	117
	• संघ	118
	• संसदीय समितियाँ	127
	• न्यायपालिका	128
	• राज्य	130
	• आपतकालीन उपबंध	133
	• संविधान संशोधन	135
	अर्थव्यवस्था	
1.	अर्थव्यवस्था	145
2.	राष्ट्रीय आय	146
3.	मुद्रास्फीति (Inflation)	147

4.	बैंकिंग (Banking)	150
5.	बजट	158
6.	बेरोजगारी एवं गरीबी	162
7.	पंचवर्षीय योजनाएँ	164

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	भारत के प्रमुख बांध	167
2.	भारत के पक्षी अभ्यारण	168
3.	भारत की जनसंख्या	169
4.	भारत के प्रमुख बंदरगाह	170
5.	भारत में प्रमुख नृत्य	170
6.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं	171
7.	भारत के प्रमुख स्टेडियम	171
8.	प्रमुख व्यक्ति एवं उनके उपनाम	172
9.	भारत के प्रमुख स्थल एवं उनके निर्माणकर्ता	173
10.	राज्य एवं उनके मुख्यमंत्री	174
11.	भारत के राष्ट्रपति	174
12.	भारत के प्रधानमंत्री	174
13.	लोकसभा अध्यक्ष	175
14.	संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन	176
15.	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	177
16.	प्रमुख उच्च न्यायालय	177
17.	भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्या न्यायाधीश	178
18.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय	179
19.	भारत में सर्वाधिक बडा, लम्बा एवं ऊँचा	180
20.	भारत में प्रथम पुरूष	181
21.	यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के विश्व धरोहर स्थल	184
22.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक व चिन्ह	185
23.	अविष्कार—अविष्कारक	186

24.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के महत्वपूर्ण तथ्य	188
25.	प्रसिद्ध पुस्तक व उनके लेखक	190
26.	खेलकूद	192
27.	विश्व की प्रमुख जल संधि	196
28.	प्रमुख पर्यावरण सम्मेलन	198
29.	विश्व के प्रमुख घास स्थल	202

भारतीय भूगोल (Indian Geography)

भारत का विस्तार

- भारत एक विशाल देश है । इसकी विशालता के कारण इसे उपमहाद्वीप की संज्ञा की गई है यह विश्व का अकेला देश है जिसका नाम हिन्द महासागर से जुडा हुआ है ।
- भारत की स्थिति उत्तरी गोलार्द्ध एवं पूर्वी देशांतर के मध्य में स्थित है ।
- भारत की आकृति चतुष्कोणीय है ।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4 से 37°6 उत्तरी गोलार्द्ध में है ।
- अक्षांश कि दृष्टि से भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध तथा देशान्तर की दृष्टि से पूर्वी गोलार्द्ध के मध्य में है ।
- देशांतरीय विस्तार 68°7 से 97°25 पूर्वी देशांतर में स्थित है ।
- भारत का विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां एवं जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	ब्राजील
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
सप्तम	भारत	नाईजीरिया
अष्टम	अर्जेंनटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,245
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,43,286
5.	आन्ध्रप्रदेश	1,60,205

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जो कि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.43% है ।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% हिस्सा निवास करता है ।
- उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है और पूर्व से पश्चिम में विस्तार 2933 किमी है ।
- भारत का सबसे पूर्वी बिंदु अरुणाचल प्रदेश में वलांगु (किबिथू) है।
- सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात में गोरमाता सक्रिय (कच्छ जिला) में है ।
- सबसे उत्तरी बिन्दु इन्द्रा कॉल है, जो कि केन्द्र शासित प्रदेश लेह में स्थित है ।
- सबसे दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा पॉइंट है, इंदिरा पॉइंट को पहले पिग्मेलियन पॉइंट और पार्सन्स पॉइंट के नाम से जाना जाता था। इन्दिरा पॉइंट ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसकी भूमध्य रेखा से दूरी 876 किमी है ।
- प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी भाग तमिलनाडु में केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) में स्थित है।
- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15200 किमी है
- तटीय भाग की लम्बाई है 7516 किमी (द्वीप समूह मिलाकर) । केवल भारतीय प्रायद्वीप की तटीय सीमा 6100 किमी है ।
- इस प्रकार की कुल सीमा 15200+7516.6 = 22716.6 किमी. लम्बी है ।
- भारतीय मानक समय रेखा 82°30 पूर्वी देशांतर पर है । मानक समय रेखा 5 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- देश का मानक समय $82\frac{1}{2}^0$ पूर्वी देशान्तर है जो नैनी (इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश) से गुजरता है ।
  - उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर)
  - छत्तीसगढ
  - मध्य प्रदेश
  - आंध्र प्रदेश
  - ओडिशा
- भारतीय मानक समय और ग्रीनविच समय के बीच अंतर 5.30 घण्टे का है । भारतीय समय ग्रीनविच समय से आगे चलता है ।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 9 राज्यों से सीमा बनाता है ।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश

- छत्तीसगढ
- झारखण्ड
- बिहार

- भारत के कुल 9 राज्य एवं – केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।
  - गुजरात
  - महाराष्ट्र
  - गोवा
  - कर्नाटक
  - केरल
  - तमिलनाडु
  - आंध्र प्रदेश
  - ओडिशा
  - पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।
  - गुजरात
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - पश्चिम बंगाल
  - त्रिपुरा
  - मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं पडोसी देश

- भारत की कुल 15200 किमी सीमा रेखा 92 जिलों और 17 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- भारत की तटीय सीमा 7516 किमी है जो कि 9 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है। केवल प्रायद्वीप भारत की तटीय सीमा रेखा 6100 किमी है ।
- भारत के मात्र 5 राज्य ऐसे है जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा और तट रेखा को स्पर्श नहीं करते हैं –
  - हरियाणा
  - मध्य प्रदेश
  - झारखण्ड
  - छत्तीसगढ
  - तेलंगाना

- भारतीय राज्यों में गुजरात की तट रेखा सर्वाधिक लंबी है। इसके बाद आंध्र प्रदेश की तट रेखा है ।
- भारत की सबसे छोटी तटरेखा गोवा राज्य की है ।
- त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है ।
- भारत के 7 पडोसी देश भारत की थल सीमा को स्पर्श करते हैं –
  - पाकिस्तान – 3323 किमी
  - चीन – 3488 किमी
  - नेपाल – 1751 किमी
  - बांग्लादेश – 4096.7 किमी
  - भूटान – 699 किमी
  - म्यांमार – 1643 किमी
  - अफगानिस्तान – 106 किमी (POK)

- भारत की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है ।
- भारत सबसे छोटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा अफगानिस्तान के साथ साझा करता है जो कि केवल 80 किमी है ।
- भारत के 2 पडोसी देश जो भारत की तटीय सीमा के साथ जुडे हुए है।
  1. श्रीलंका
  2. मालद्वीप
- ऐसे देश जो थल एवं जल दोनों सीमा बनाते है।
  - पाकिस्तान
  - बांग्लादेश
  - म्यांमार
- पाकिस्तान के साथ भारत के 3 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते है –

राज्य
1. पंजाब
2. राजस्थान
3. गुजरात

केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- चीन के साथ भारत के 4 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते है –

राज्य
1. हिमाचल प्रदेश
2. उत्तराखण्ड
3. सिक्किम
4. अरुणाचल प्रदेश

केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- नेपाल के साथ भारत के 5 राज्य सीमा साझा करते है –
  1. उत्तराखण्ड
  2. उत्तर प्रदेश
  3. बिहार
  4. सिक्किम
  5. पश्चिम बंगाल

- भूटान के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते है
  1. पश्चिम बंगाल
  2. सिक्किम
  3. अरुणाचल प्रदेश
  4. असम

- म्यांमार के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते है –
  1. अरुणाचल प्रदेश
  2. नागालैण्ड
  3. मणिपुर
  4. मिजोरम

अफगानिस्तान के साथ भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश सीमा बनाता है – (केवल 80 किमी POK)
- लद्दाख

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है। पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है।
- मेकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी। परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है। रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

सीमावर्ती सागर :-
- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12nm तक स्थित है ।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।

1. संलग्न सागर :–
   - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।
2. अनन्य आर्थिक क्षेत्र :–
   - अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।

- उच्च सागर यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

भारत में विदेशी क्षेत्रों का समावेश

15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद फ्रांस एवं पुर्तगाल के अधीन कई क्षेत्रों का भारत में विलय हुआ है जो निम्न प्रकार से है।

भारत के भौगोलिक भू-भाग

(NCERT के अनुसार 6 प्रकार के है।)

भारत के भौगोलिक भू-भाग:-
1. हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तरी मैदान क्षेत्र
3. प्रायद्वीप पठार क्षेत्र
4. तटीय मैदान क्षेत्र
5. द्वीप समूह क्षेत्र

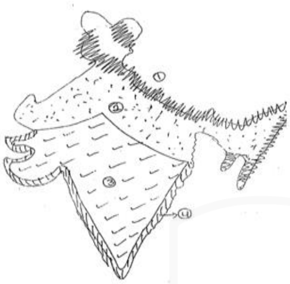

1. हिमालय पर्वतीय प्रदेश

- हिमालय का विस्तार भारत के उत्तर से उत्तर-पश्चिम (सिन्धु) से दक्षिण-पूर्व (ब्रह्मपुत्र) तक की ओर है। पूर्व-पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2400 किमी. है। इसकी चौडाई कश्मीर में 400 किमी. तथा अरूणाचल में 150 किमी. है।
- प्लेट विवर्तनी सिद्धान्त के अनुसार इंडियन एवं यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- इंडियन प्लेट टकराव से हिमालय का निर्माण हुआ है।
- यह पर्वत तंत्र विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत तंत्र है, इसलिए इस तंत्र में बहुत से अल्पाइन हिमनद भी पाये जाते है।
- इस पर्वतीय प्रदेश को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है:-

A. ट्रांस/तिब्बत हिमालय :-

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का सबसे उत्तरी भाग ट्रांस हिमालय कहलाता है।

- यह मुख्य रूप से 'जम्मू-कश्मीर' व 'तिब्बत' में स्थित है।
- इस भाग में तीन प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती है:-
  - (i) काराकोरम श्रेणी:-
  - (ii) लद्दाख श्रेणी:-
  - (iii) जास्कर श्रेणी:-

(i) काराकोरम श्रेणी :-

- ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी काराकोरम में स्थित है।
- ट्रांस हिमालय की सबसे लम्बी व ऊँची श्रेणी है।
- ट्रांस हिमालय में पंजाब संकीर्ण से उत्तर में क्रमशः कैलाश जास्कर लद्दाख एवं काराकोरम श्रेणी स्थित है।
- हिन्ज लाइन या शुचर जोन हाउस एवं वृहत् हिमालय को अलग करती है।
- स्वेन हैडन ने काराकोरम श्रेणी को उच्च एशिया कि रीढ कहा है।
- 'माउण्ट गोडविन ऑस्टिन' इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है, जो भारत की सबसे ऊँची तथा विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है। (8611 किमी.)

(ii) लद्दाख श्रेणी

- काराकोरम श्रेणी के दक्षिण में स्थित।
- तिब्बत में इस श्रेणी का विस्तार 'कैलाश पर्वत' के नाम से जाना जाता है।
- राकापोशी (लद्दाख - श्रृंखला का सर्वोच्च शिखर) विश्व कि सबसे बडी ढाल वाली चोटी है।

(iii) जास्कर श्रेणी:-

- ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी।
- जास्कर तथा लद्दाख श्रेणी के मध्य सिन्धु घाटी स्थित है।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पठार पर शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है, इसलिए
  यह एक 'ठण्डे मरूस्थल' का उदाहरण है।

B. मुख्य हिमालय:-

- यह पर्वतीय प्रदेश का दूसरा प्रमुख भाग है।
- यह भाग सिन्धु नदी घाटी से ब्रह्मपुत्र नदी घाटी तक स्थित है।
- यह लगभग 2500 किमी. की दूरी में विस्तृत है।
- इस श्रेणी में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848 मी.) स्थित है।
- माउण्ट एवरेस्ट नेपाल-चीन सीमा पर स्थित है।
- इसे नेपाल में सागरमाथा कहते है (माउण्ट एवरेस्ट को)
- जोजिला दर्रे का निर्माण सिंधु नदी द्वारा शिपकीला का निर्माण सतलज नदी के द्वारा एवं जैलोजा का निर्माण तिस्ता नदी द्वारा हुआ है।
- बुर्जिल दर्रा श्रीनगर से गिलगिट को एवं शिपकीला दर्रा शिमला को तिब्बत से जोडता है।
- इस पर्वत पर बहुत से प्रमुख हिमनद स्थित है।
  e.g.- गंगोत्री, यमुनोत्री, सतोपंथ, पिंडारी, मिलान

C. मध्य हिमालय (Middle Himalaya):-

- इसे हिमाचल हिमालय या लघु हिमालय भी कहते हैं
- यह श्रेणी 2400 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इसकी औसत चौडाई 80 से 100 किमी. है ।
- मध्य हिमालय तथा वृहत हिमालय के बीच बहुत सी घाटियाँ स्थित हैः-
  - ➢ कश्मीर घाटी = वृहत हिमालय - पीर पंजाल
  - ➢ कुल्लू घाटी = वृहत हिमालय - धौलाधर
  - ➢ कांगडा घाटी (HP) = वृहत हिमालय - मसूरी
  - ➢ काठमांडू घाटी = वृहत हिमालय - महाभारत
- इस श्रेणी पर ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान पाए जाते है जिन्हें जम्मू कश्मीर में 'मर्ग' तथा उत्तराखण्ड मे 'बुग्याल, पयाला' कहा जाता है ।
- इस श्रेणी क्षेत्र में बहुत से पर्यटन स्थल पाए जाते है e.g. कुल्लू, नंदा देवी, मनाली, नैनीताल, मसूरी etc.
- इस श्रेणी में कुछ प्रमुख दर्रे पाए जाते है :-
  1. पीरपंजाल दर्रा :- यह दर्रा श्रीनगर को POK से जोडता है। इसका विस्तार पंजाब के पोतवार बेसिन से कोसी नदी तक है ।

नदी घाटी के आधार पर हिमालय

सीडनी के बुरार्ड नामक भू-वैज्ञानिक ने हिमालय को चार भागों में वर्गीकृत किया है ।

क्र.सं.	हिमालय	नदी का विस्तार	दूरी (किमी.में)	पर्वत श्रेणियाँ
1.	पंजाब हिमालय	सिंधु से सतलज	560	जास्पर, लद्दाख, त्रिशूल, पिरपंजाल
2.	कुमाऊ हिमालय	सतलज से काली	320	बद्रीनाथ, त्रिशूल, नंदा
3.	नेपाल हिमालय	काली से तिस्ता	800	अन्नपूर्णा, धौलागिरी
4.	असम हिमालय	तिस्ता से दिहांग	720	कुलागागडी, जांग, मगना

2. बनिहाल दर्राः- श्रीनगर को जम्मू से जोडता है, NH-1A इस दर्रे से गुजरता है । इस दर्रे में जवाहर सुरंग स्थित है ।

D. शिवालिक/उप हिमालय –

- शिवालिक श्रेणी की ऊँचाई 900-1200 मी. के बीच पाई जाती है ।
- थार के रेगिस्तान में पाए जाने वाली बालू के स्थानान्तरित टीलों को स्थानीय भाषा में धोरा कहा जाता है ।
- इसकी चौडाई 10-50 किमी. है ।
- शिवालिक को विभिन्न स्थानीय नामों से जाना जाता हैः-
  - ➢ जम्मू और कश्मीर - जम्मू हिल्स
  - ➢ उत्तराखंड – दूद्वा/धांग
  - ➢ नेपाल – चुडियाघाट
  - ➢ दाफला
  - ➢ मिरी
  - ➢ अबोर
  - ➢ मस्मी
- इन घाटियों को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 'दून' तथा पूर्वी हिमालय क्षेत्र में 'द्वार' कहते है ।
  e.g.- देहरादून, कोटलीदून, पाटलीदून, हरिद्वार, निहांगद्वार **etc.**

चोस (Chos):–

- हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में स्थित शिवालिक श्रेणी क्षेत्र में मानसून के दौरान अस्थायी धाराओं का निर्माण होता है, जिन्हें स्थानीय भाषा में चोस कहते है ।
- यह धाराएँ शिवालिक को विभिन्न भागों में विभाजित कर देती है ।

E. पूर्वांचल (Purvanchal):-

- उत्तर-पूर्वी राज्यों में उत्तर से दक्षिण की ओर विस्तृत पहाडियों को पूर्वांचल कहते है ।
- पूर्वांचल का निर्माण इण्डो-ऑस्ट्रेलियन तथा बर्मा प्लेट के अभिसरण से हुआ है ॥
- यह बालू पत्थर से निर्मित पहाडियाँ है ।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून पवनों द्वारा यहाँ भारी वर्षा प्राप्त होती है अतः यहाँ बहुत अधिक जैव-विविधता पाई जाती है ।
- यह विश्व के 36 Hotspots में सम्मिलित है ।
- नागा पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी सरामती है ।
- मिजो पहाडियों को लुसाई पहाडियाँ भी कहते है
- मिजो पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी ब्लू माउण्टेन है
- बरेल श्रेणी नागा पहाडियों एवं मणिपुर पहाडियों को अलग करती है ।

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का प्रादेशिक विभाजन

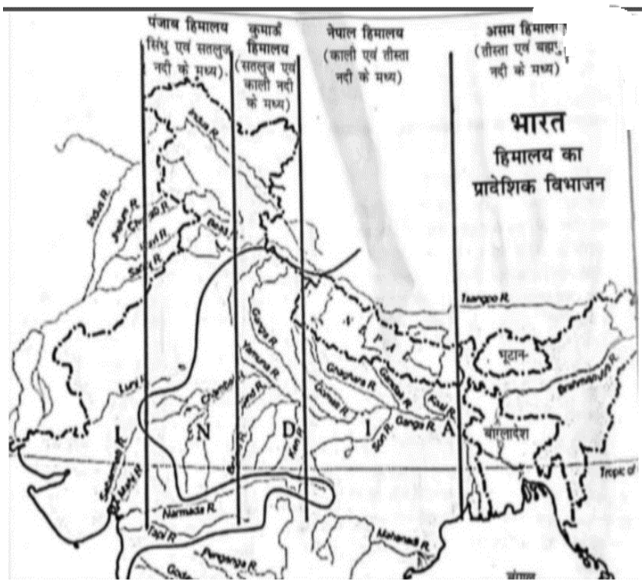

(a). कश्मीर/पंजाब हिमालय
(Kashmir/Punjab Himalaya):-

- कश्मीर/पंजाब हिमालय का यह भाग सिंधु तथा सतलज नदी के बीच स्थित है ।
- यह लगभग 560 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इस भाग में जास्कर, पीरपंजाल श्रेणी एवं जम्मू पहाडियाँ स्थित है ।

(b). कुमाऊँ हिमालय **(Kumao Himalaya):-**

- हिमालय का यह भाग सतलज से काली नदी के बीच स्थित है ।
- यह 320 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यह भाग मुख्य रूप से उत्तराखण्ड में स्थित है ।

(c). नेपाल हिमालय **(Nepal Himalaya):-**

- यह भाग काली तथा तिस्ता नदी के बीच स्थित है ।
- यह भाग 800 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- सिक्किम व दार्जिलिंग इसी के अंतर्गत है ।

(d). असम हिमालय **(Assam Himalaya):-**

- यह भाग तिस्ता से दिवांग नदी के बीच स्थित है
- यह 750 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यहाँ हिमालय की चौडाई सबसे कम हो जाती है जो लगभग 150 किमी. हो जाती है ।

2. भारत के मैदान

नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के कारण मैदानों का निर्माण होता है ।

भारत के मैदानों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है ।

(i) पूर्वी घाट के मैदान
(ii) पश्चिमी घाट के मैदान
(iii) उत्तर भारत का मैदान

(i) पूर्वी घाट के मैदान

- आकार में ये उत्तर भारत के मैदान से छोटा तथा पश्चिमी घाट के मैदान से बडा है।
- गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदी के पास मैदानों की चौडाई अधिक है।
- इसके चौडाई उत्तर से दक्षिण की तरफ बढती है। औसत चौडाई 100 कि.मी. से 130 कि.मी. तक है।
- पश्चिम बंगाल की हुगली नदी से लेकर तमिलनाडु तक फैला हुआ है।
- ओडिसा से आन्ध्र प्रदेश की तरफ का मैदान उत्कल तट कहलाता है।
- आन्ध्र प्रदेश का तट कलिंग तट कहलाता है। इसी तट को उत्तरी सरकार तट के नाम से भी जाना जाता है।
- आन्ध्र प्रदेश से लेकर तमिलनाड तक के मैदान को कोरामण्डल तट कहा जाता है।
- भारत की कई प्रमुख नदियों के डेल्टा इसी मैदान में बनते है। इन नदियों में मुख्य नदियां अग्रलिखित है ।
  - ➢ महानदी
  - ➢ गोदावरी
  - ➢ कृष्णा
  - ➢ कावेरी

(ii) पश्चिमी घाट के मैदान

- दमन से लेकर कन्याकुमारी तक फैला हुआ है ।
- पंजाब, हरियाणा के मैदानी भाग में स्थित बाढ के मैदानों को बेटस कहा जाता है ।
- आकार में पूर्वी तथा उत्तर भारत के मैदानों से छोटा है। इसकी औसत चौडाई 50 कि.मी. है।
- गुजरात से गोवा तक के तट को कोंकण तट कहा जाता है। इसमें महाराष्ट्र का पूरा तट आ जाता है।
- गोवा से मंगलौर तक के तट को कन्नड तट कहा जाता है।
- कर्नाटक से केरल तक के तट को मालाबार तट कहा जाता है।

- इसकी चौडाई कम होने के कारण यहां पर ढाल अधिक है। जिस कारण से यहां पर नदियों में तीव्र चाल से चलती हैं और झरने बनाती हैं।
- नदियों में गति अधिक होने के कारण नदियां डेल्टा नहीं बना पाती हैं।
- मछली पालन के लिए आदर्श स्थिति बनती है।

(iii) उत्तरी भारत का विशाल मैदान

- भारत के सभी मैदानों में से ये सबसे विशाल है। इसकी औसत चौडाई 240 कि.मी. से 320 कि.मी. है।
- इस मैदान की समुद्र तल से ऊँचाई कम होने के कारण यहां पर नदियों की गति काफी धीमी हो जाती है। अतः नदियां अपने साथ लाये हुए अवसाद को यहां जमा कर देती हैं, जो कि इस मैदान की विशालता का प्रमुख कारण है।
- 4 भागों में बाँटा गया है ।

भाबर प्रदेश

- शिवालिक हिमालय से 12 कि.मी. तक के क्षेत्र जिसमें कंकड पत्थर अधिक होते हैं को भाबर प्रदेश कहा जाता है।
- शिवालिक हिमालय के बाद नदियों की गति कम हो जाती है। इसलिए वो अपने साथ लाये अवसाद को यहां जमा कर देती है।

तराई प्रदेश

- भाबर के नीचे वाले दलदली क्षेत्र को तराई क्षेत्र कहा जाता है ।
- यहां पर जंगल में अजगर, मगरमच्छ आदि के साथ अन्य वन्य जीव भी पाये जाते हैं, अतः कोई जनजाति नहीं रहती ।
- वर्तमान में तराई की अधिकांश भूमि को कृषि योग्य बना लिया गया है।

बांगर प्रदेश

- नदी के दूर वाला क्षेत्र जो नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से निर्मित हुआ है, बांगर प्रदेश कहलाता है।
- ये प्रदेश मैदान के ऊँचाई वाले क्षेत्र होते हैं।
- इस प्रदेश में बाढ नहीं आती है। जिस कारण यहां की मिट्टी का नवीकरणीय नहीं हो पाता है।
- इस प्रदेश में पुरानी जलोढ मृदा पायी जाती है।
- गंगा-यमुना दोआब के ऊपरी भाग में यह भूड निक्षेपों के रूप में मिलता है ।

खादर प्रदेश

- नदी के पास वाला क्षेत्र जहां पर बाढ आती रहती है, खादर क्षेत्र कहलाता है । लगभग हर वर्ष बाड आने के कारण यहां की मृदा का नवीकरणीय होता रहता है। इसी कारण ये प्रदेश उपजाऊ बना रहता है ।
- इसकी ऊँचाई बांगर प्रदेश से कम होती है।
- इसका निर्माण नई जलोढ मृदा से हुआ है ।

डेल्टा

- डेल्टाई मैदान मुख्यतः किचड तथा दलदली युक्त होता है । इसमें उच्च भूमियाँ चार तथा दलदली भूमियाँ बील कहलाती हैं ।

3. भारत के पठार

भारत के पठार गोंडवाना लैण्ड के भाग हैं । इसकी आकृति त्रिभुजाकार है । यह राजस्थान से कन्याकुमारी तक (1700 किमी.) तथा गुजरात से पश्चिम बंगाल (1400 किमी.) तक 16 लाख वर्ग किमी. तक विस्तृत है ।

(i) मालवा का पठार

तीन राज्यों में फैला हुआ है ।
यह मध्यप्रदेश गुजरात, राजस्थान, राज्य में स्थित है । यह ज्वालामुखी की चट्टानों से बना है । इसमें चंबल, बेतवा नदी निकलती है । इसकी सीमाओं का निर्धारण उत्तर में अरावली, दक्षिण में विन्ध्याचल पर्वत एवं पूर्व में बुन्देलखण्ड द्वारा होता है । इस पठार के उत्तर में चम्बल नदी अवनालिका अपरदन करती है ।

- गुजरात
- मध्य प्रदेश
- राजस्थान
- निर्माण ग्रेनाइट से हुआ है।
- काली मिट्टी से ढका हुआ है।
- ऊँचाई 500-610 मी. है ।
- इसे लावा निर्मित पठार भी कहा जाता है।
- इसमें कुछ लावा द्वारा बनी पहाडियां भी है।
- यमुना की सहायक चंबल नदी ने इसके मध्य भाग को प्रभावित किया है।
- पश्चिमी भाग को माही नदी ने प्रभावित किया है। माही नदी अरब सागर में जाकर गिरती है।

- पूर्वी भाग को बेतवा नदी ने प्रभावित किया है।
- मालवा का पठार अरावली पर्वत व विन्ध्याचल पर्वत के बीच में है।

(ii) बुन्देलखण्ड का पठार

- मालवा पठार के उत्तरी भाग को बुन्देलखण्ड एवं उत्तरी-पूर्वी भाग को बघेलखण्ड कहा जाता है । बुन्देलखण्ड पठार ग्रेनाइट एवं नीस की चट्टानों से निर्मित है ।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच में फैला हुआ है ।
- इसके निर्माण में नीस और ग्रेनाइट से हुआ है।
- इसका ढाल दक्षिण से उत्तर और उत्तर पूर्व की तरफ है ।
- यहां कम गुणवत्ता का लौह अयस्क प्राप्त होता है ।

(iii) छोटा नागपुर का पठार

- इस पठार की प्रमुख नदियाँ- महानदी, स्वर्ण रेखा, सोन, दामोदर है ।
- इस पठार में मुख्य खनिज - लोहा, मोजका, अभ्रक, तांबा, यूरेनियम एवं टंगस्टन आदि है ।
- छोटा नागपुर के पठार का महाराष्ट्र के नागपुर जिले से कोई सम्बन्ध नहीं है । इसका नाम पुराने राजा के नाम पर पडा है।
- ये पठार झारखंड में फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल 65000 वर्ग किमी. है ।
- रांची का पठार, हजारी बाग का पठार, कोडरमा का पठार सब इसी के अंदर आते हैं।
- इस पठार की औसत ऊँचाई 700 मी है।
- भारत का रूर भी कहा जाता है ।

(iv) शिलांग का पठार

- यह पठार भारत का बहिर्शायी है । यह भ्रंशन के कारण भारतीय प्रायद्वीप से माल्दा गैप द्वारा पृथक कि गई है ।
- शिलांग शिखर की ऊँचाई 1961 मी. है ।
- गेरा, खासी और जयन्ती पहाडियां इसी के अंदर आती है।
- इस पठार में कोयला और लौह अयस्क, और चूना पत्थर के भंडार उपलब्ध हैं।

(v) दक्कन का पठार

- पूर्वी तथा पश्चिमी घाटों, सतपुडा, मैकाले तथा राजमहल कि पहाडियों के बीच 7 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है ।
- भारत का विशालतम पठार है।
- दक्षिण के आठ राज्यों में फैला हुआ है।
- इस पठार का आकार त्रिभुजाकार है। सतपुडा और विंध्याचल श्रृंखला इसकी उत्तरी सीमा है तथा पूर्व और पश्चिम में पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित हैं।
- इसकी औसत ऊँचाई 600 मी. है।
- इस पठार को पुनः तीन भागों में बाँटा जाता है-
  - ➢ महाराष्ट्र का पठार- इसमें काली मृदा की आर्कियन पायी जाती है।
  - ➢ आंध्रप्रदेश का पठार- इसे पुनः दो भागों में विभक्त किया गया है।
  - ➢ तेलंगाना का पठार- इस पठार के लावा द्वारा निर्मित होने के कारण इसे लावा पठार के नाम से भी जाना जाता है।
  - ➢ रायलसीमा का पठार- इसमें आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।
  - ➢ कर्नाटक का पठार- इसमें धात्विक खनिज तथा आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।

1. द्वीपीय समूह प्रदेश

- भारत के दक्षिण तट के नजदीक अण्डमान-निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह पाये जाते हैं, जो कि मिलकर द्वीपीय समूह प्रदेश का निर्माण करते है ।
- भारत के पास कुल 1208 द्वीप समूह हैं। ये संख्या सभी छोटे-छोटे द्वीपों को मिलाकर है।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह सबसे बडा द्वीप समूह है।
- लक्षद्वीप सबसे छोटा द्वीप समूह है।

(a). अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह :-

अण्डमान

- बंगाल की खाडी में स्थित 572 द्वीपों का समूह ।
- इन द्वीपों को अराकन योमा पर्वत श्रेणी का विस्तार ही माना जाता है ।

निकोबार

- 10° चैनल अण्डमान को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है ।
- 'मध्य अण्डमान द्वीप' अण्डमान-निकोबार का सबसे बडा द्वीप है ।
- अण्डमान-निकोबार की राजधानी 'पोर्टब्लेयर' दक्षिण अण्डमान द्वीप में स्थित है ।
- अण्डमान-निकोबार की सबसे ऊँची चोटी 'सैंडल चोटी' उत्तरी अण्डमान द्वीप पर स्थित है ।
- 'डंकन पेसैज' दक्षिण अण्डमान को लघु अण्डमान से अलग करता है ।
- 'बैरन द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप है । जो अंडमान में स्थित है ।
- 'नारकोण्डम द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सुसुप्त ज्वालामुखी द्वीप है ।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

- 'ग्रेट निकोबार' निकोबार द्वीप समूह का सबसे बडा द्वीप है तथा 'इन्दिरा प्वाइंट' इसी द्वीप का दक्षिणतम बिन्दु है ।

निकोबार द्वीप समूह

लिटिल अंडमान के नीचे ''10° चैनल'' पडता है और उसके बाद निकोबार द्वीप समूह शुरू हो जाता है

- निकोबार द्वीप समूह तीन भागो में बटा है।
  - ➢ कार निकोबार
  - ➢ लिटिल निकोबार (बीच में)
  - ➢ ग्रेटनिकोबार
- निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी बिन्दू जो कि भारत का भी दक्षिणी बिन्दू है ग्रेट निकोबार पर पडता है । इसे ''इन्द्रा प्वाइंट'' ''पिग मेलियन प्वाइंट'' के नाम से जाना जाता है ।

(b). लक्षद्वीप

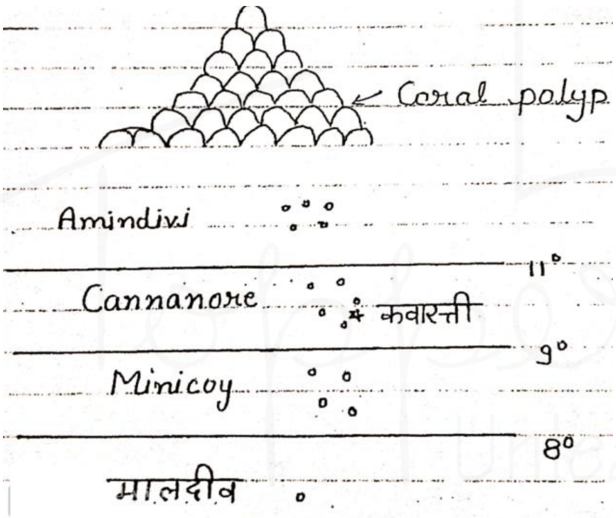

भारत के अपतटीय द्वीप

भारत में लगभग 1382 अपतटीय द्वीप है ।

(1) पश्चिमी द्वीप – (i) पीरम, भैंसला – काठीयावाड
(ii) खडिया बैट, नर्मदा, ताप्ती के मुहाने पर
(iii) एलीफैण्टा, बुचर-महानदी के मुहाने पर

- 'अरब सागर' में स्थित 36 द्वीपों का समूह ।
- यह कोरल द्वीपों का उदाहरण है ।
- लक्षद्वीप को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-
- 11°N अक्षांश के उत्तर में स्थित द्वीप 'अमीनदीवी द्वीप' कहलाते है ।
- 11°N तथा 9°N अक्षांश के मध्य स्थित द्वीप 'कोनोनोर द्वीप' कहलाते है ।
- 9°N अक्षांश के दक्षिण में 'मिनिकोय द्वीप' स्थित है
- 8°N चैनल भारत को मालदीव से अलग करता है ।
- लक्षद्वीप समूह अरब सागर में है ।
- लक्षद्वीप एक केन्द्र शासित प्रदेश है। सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। क्षेत्रफल मात्र 32 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप की राजधानी कवरत्ती है ।
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप मिनिकाय द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4.83 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप समूह का सबसे बडा द्वीप अन्ड्रोट द्वीप सबसे बडा द्वीप है। जिसका क्षेत्रफल 4.98 वर्ग किमी है ।

अन्य महत्वपूर्ण द्वीप

- न्यू मूर द्वीप एवं गंगा सागर द्वीप बंगाल की खाडी में हुगली नदी के तट के पास है ।
- ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप या अब्दुल कलाम द्वीप है जो कि ब्राह्मणी नदी के मुहाने पर बनता है। यहां मिसाइलों का परीक्षण किया जाता है ।
- आंध्र प्रदेश के तट पर श्रीहरिकोटा द्वीप है। यहां पर सतीश धवन स्पेस रिसर्च सेंटर स्थित है। सतीश धवन 2002 में इसरो के अध्यक्ष रहे थे ।
- पम्बन द्वीप रामेश्वरम द्वीप तमिलनाडु के तट पर है। रामेश्वरम मंदिर यही पर है ।
- पम्बन द्वीप के सबसे दक्षिणी भाग को धनुषकोडी कहा जाता है। इसके बाद राम सेतु शुरू हो जाता है
- श्रीलंका एवं भारत के बीच में मन्नार की खाडी है ।
- गुजरात में नर्मदा नदी के मुहाने पर खंभात की खाडी में आलिया बेट द्वीप है। एलीफेंटा की गुफाएं इसी द्वीप में स्थित है ।

भारत का अपवाह तंत्र
(Drainage System of India)

- जिस मार्ग से बहते हुए नदी आगे बढ़ती है, वह नदी का 'अपवाह (Drainage Channel)' कहलाता है
- बहुत-सी नदियों के मिलने से किसी क्षेत्र में एक 'अपवाह तंत्र' का निर्माण होता है ।
- वह क्षेत्र जहाँ से वर्षा अथवा हिमनदों से मिलने वाला जल किसी नदी विशेष तक पहुँचता है, वह क्षेत्र उस नदी का बेसिन (Basin) कहलाता है ।
- भारत के अपवाह तंत्र को नदियों के स्रोत के आधार पर दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता
  1. हिमालय अपवाह तंत्र (Himalaya Drainage System)
  2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र (Peninsular Drainage System)

हिमालय अपवाह तंत्र
(Himalaya Drainage System)

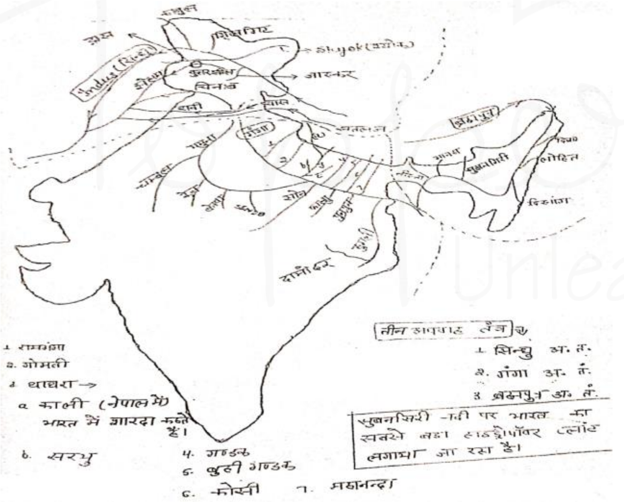

- हिमालय अपवाह तंत्र को मुख्य नदियों के आधार पर तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  1. सिन्धु अपवाह तंत्र
  2. गंगा अपवाह तंत्र
  3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

1. सिन्धु अपवाह तंत्र

सिंधु नदी का उपनाम इण्डस है, तथा भारत का इंडिया नाम सिंधु नदी के उपनाम इंडस से ही बना है ।

सिंधु नदी कि कुल लम्बाई 710 किमी. है ।

यह नदी पाकिस्तान कि सबसे बडी नदी है तथा पाकिस्तान कि राष्ट्रीय नदी है ।

- भारत के प्रथम वेद ऋग्वेद में सिन्धु नदी का 176 बार सिंधु शब्द का उल्लेख हुआ है । जो एक महत्वपूर्ण बात है ।
- यह अपवाह तंत्र मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व पंजाब राज्य में स्थित है ।
- सिन्धु नदी का उदगम तिब्बत में कैलाश पर्वत के हिमनदों से होता है तथा जम्मू-कश्मीर में यह नदी लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के मध्य बहती है ।
- काबुल, गिलगिट तथा श्योक इसकी प्रमुख दाँये हाथ की सहायक नदियाँ है तथा जास्कर, दरास तथा पंचनद (सतलज, रावी, झेलम, चेनाब, व्यास) इसकी प्रमुख बाँये हाथ की नदियाँ है ।
- 'पंचनद' सिन्धु से पाकिस्तान के मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है तथा सिन्धु कराची के नजदीक डेल्टा बनाने के पश्चात् अरब सागर में जाकर गिरती है
- 'लद्दाख' की राजधानी 'लेह' सिन्धु नदी के किनारे ही स्थित है ।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ

(a). **झेलमः-**

- इस नदी का उदगम जम्मू-कश्मीर में स्थित 'वेरिनाग झील' से होता है ।
- वेरिनाग के पास शेषनाग झील निकलती है ।
- इसी कुल लंबाई 725 किमी. है तथा इसकी सहायक नदियां किशनगंगा (निलम) कुन्हट, पूंछ, करवेश आदि के निकट स्थित शहर श्रीनगर उर्री, बार्रामुला आदि है ।
- उरी बांध बरामुला जिला, जम्मू-कश्मीर राज्य भारत में है । किशनगंगा बांध - जम्मू कश्मीर-भारत
- मगला बांध - मिरपुर - POK
- यह नदी 'वुलर झील' का निर्माण करती है, जो कि भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है
- 'किशनगंगा' इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- 'श्रीनगर' झेलम नदी के किनारे बसा है ।
- यह नदी भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर 'तुलबुल परियोजना' प्रस्तावित है, जो कि एक नौवहन परियोजना है ।

(b). चेनाब:-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'बारालाचा दर्रे' के नजदीक से निकलने वाली 'चन्द्र' व 'भागा' नदियों के मिलने से होता है। चन्द्र+भागा = चन्द्रभागा (H.P) चेनाव (J&K)
- प्राचीन भारत में चिनाब को अश्किनी या इस्कमती कहा जाता था। इसकी कुल लंबाई 960 किमी. है। इस नदी कि प्रमुख सहायक नदियां मियार नाला, मारसुन्दर, सोहन, भुटनाजा आदि है।
- इस नदी पर दुलहस्ती, सलाल व बगलीहार परियोजना स्थित है। जो कि जम्मू-कश्मीर में 'जल विद्युत परियोजना' है।

(c). रावी:-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'रोहतांग दर्रे' (लेह, मनाली के पास) के नजदीक होता है।
- रावी नदी कि कुल लंबाई 720 किमी. है तथा इसके उपनाम-इरावती, परूष्नी, हैशस्टर या हैड्राडॉटस है।
- किनारे पर स्थित शहर या नगर - भरमौर, होली, माधोपुर, चम्बा, सरोल आदि है।
- इसकी प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  - ➢ हडसर परियोजना
  - ➢ भरमोर परियोजना
  - ➢ हिब्रा परियोजना
  - ➢ होली परियोजना
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'चमेरा बांध' स्थित है
- इस नदी पर वर्तमान में पंजाब राज्य में 'थीन परियोजना (रंजीत सागर बांध परियोजना)' का विकास किया जा रहा है।

(d). व्यास

- इस नदी का उद्गम 'रोहतांग दर्रे' के नजदीक 'व्यास कुण्ड' से होता है।
- इस नदी कि कुल लम्बाइ 470 किमी. है।
- प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  (1) पार्वती जल विद्युत परियोजना
  (2) शानद जल विद्युत परियोजना
- इस नदी के किनारे स्थित प्रमुख शहर या नगर कुल्लू, मनाली, बाजौरा, पठानकोट, कपूरथला, होशियारपुर है।
- यह नदी पंजाब में हरिके नामक स्थान पर सतलज से जाकर मिलती है।
- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में 'पोंग बांध' स्थित है, जिससे 'महाराणा प्रताप सागर परियोजना' का निर्माण होता है।

(e). सतलज:-

- इस नदी का उद्गम तिब्बत में राकास ताल/राक्षस झील से होता है तथा यह शिपकिला दर्रे के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।
- यह बारहमासी बहने वाली नदियों में से एक नदी है।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'नाथपा झाकडी परियोजना' स्थित है।
- पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में इस नदी पर 'भांखडा-नांगल परियोजना' स्थित है।
- 'भांखडा बांध' से 'गोविन्द सागर जलाशय (हिमाचल प्रदेश)' का निर्माण होता है।
- हरिके नामक स्थान पर इस नदी से 'इन्दिरा गाँधी नहर' का उद्गम होता है।

2. गंगा अपवाह तंत्र

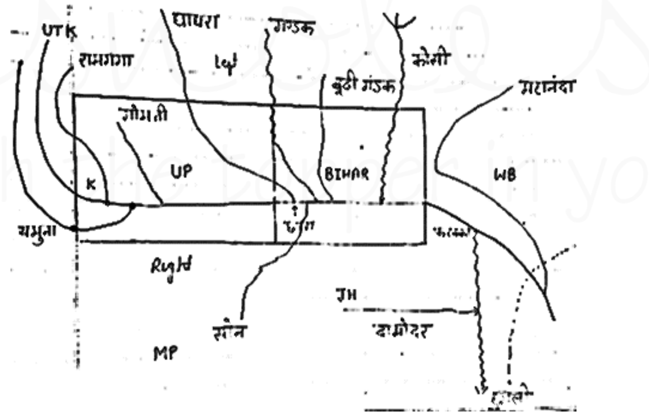

- गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह तंत्र विभिन्न राज्यों में स्थित है।
  e.g.- उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल
- गंगा को बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. (लगभग 2500 किमी.) है।
- गंगा नदी उत्तराखण्ड में देवप्रयाग नामक स्थान से निकलती है जहाँ भागीरथी तथा अलकनंदा नदियाँ मिलती है।

- भागीरथी नदी की सहायक नदी भीलांगना इससे टिहरी नामक स्थान पर मिलती है जहाँ भारत का सबसे ऊँचा बांध स्थित है ।
- अलकनंदा नदी पर विभिन्न प्रयाग स्थित है । **e.g.-** विष्णुप्रयाग**,** कर्णप्रयाग**,** रूद्रप्रयाग **etc.**

1. गंगा की दांये हाथ की प्रमुख नदियाँः–

(a). **यमुनाः–**

- गंगा की सबसे लम्बी सहायक नदी ।
- इस नदी का उदगम उत्तराखण्ड में यमुनोत्री हिमनद से होता है तथा यह नदी हरियाणा तथा दिल्ली से बहते हुए उत्तप्रदेश में इलाहाबाद में गंगा नदी से आकर मिलती है
- आगरा तथा मथुरा इसी नदी के किनारे बसे है ।
- भारत कि राजधानी नई दिल्ली यमुना नदी के किनारे स्थित है ।
- चम्बल, केन, बेतवा, सिन्ध इसकी कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(b). **सोनः–**

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में अमरकंटक पठार से होता है तथा यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहते हुए बिहार में 'सोनपुर' नामक स्थान पर गंगा में आकर मिलती है । (सोनपुर में विश्व का सबसे बडा पशु मेला लगता है ।)
- 'रिहंद' सोन की एक प्रमुख सहायक नदी है
- रिहंद नदी पर उत्तप्रदेश, मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र में 'रिहंद बांध' स्थित है, जिससे 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर जलाशय (छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश)' का निर्माण होता है ।

2. गंगा की बांये हाथ की प्रमुख नदियाँ

(a). रामगंगा

(b). गोमती

- इस नदी का उदगम कुमायूँ हिमालय (गढवाल) जिले से होता है ।
- लखनऊ तथा जौनपुर शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). घाघरा :–

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- यह नदी नेपाल में 'कर्णाली' नाम से जानी जाती है

  शारदाः– इस नदी का उदगम नेपाल से होता है तथा यह नेपाल में 'काली' के नाम से जानी जाती है । यह नदी उत्तराखण्ड व नेपाल के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

  सरय :– 'अयोध्या' सरयू नदी के किनारे बसा है ।

(d). गण्डक

(e). बुढी गण्डक

(f). कोसीः–

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- भारत में यह नदी बिहार राज्य में बहती है ।
- गंगा में सर्वाधिक मात्रा में जल लेकर आने वाली नदी
- इसे 'बिहार का शोक' कहते है ।

दामोदर नदी

- यह नदी हुगली नदी की सहायक नदी है ।
- इस नदी का उदगम झारखण्ड में छोटा नागपुर पठार से होता है ।
- इस नदी की घाटी कोयले के भण्डारों के लिए विख्यात है तथा इसे 'भारत की रूर घाटी' भी कहा जाता है ।
- पूर्व में दामोदर नदी हर वर्ष बाढ लेकर आती थी, जिसके कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता था।
- बाढ को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र भारत की पहली बहु–उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का विकास इसी नदी पर किया गया है । इसे 'दामोदर नदी घाटी परियोजना' कहा जाता है । (टेनिसी परियोजना पर आधारित जो मिसीसीपी नदी की सहायक नदी है ।)
- कोनार, मिठोन, बाराकर, तिलैया दामोदर नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए कुछ बांध है
- दामोदर एक अत्यधिक प्रदूषित नदी है तथा जैविक दृष्टि से एक मृत नदी है ।

3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

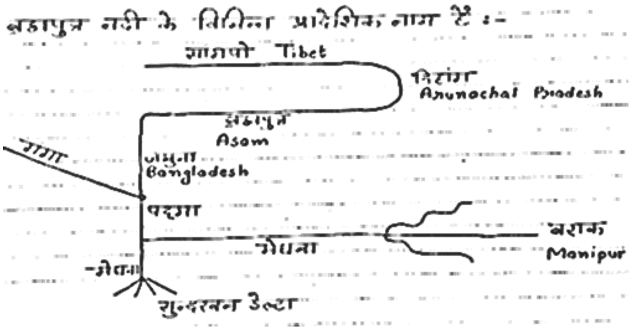

- इस अपवाह तंत्र का निर्माण ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा किया गया है ।

- 'ब्रह्मपुत्र नदी' का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है तथा यह नदी नामचा बरवा चोटी के नजदीक स्थित एक गहरी घाटी के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है ।
- भारत की सर्वाधिक मात्रा में जल ले जाने वाली नदी है ।
- सपीपा नगर में दो सहायक नदियां, दिबांग एवं लोहीत मिलन के बाद इस नदी का नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है ।
- तीस्ता, मानस, सुबनसिरी इसकी दांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है तथा दिबांग, दिहांग, लोहित बांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- इस नदी के मध्य असम में 'माजुली द्वीप' स्थित है, जो कि भारत का सबसे बडा नदी द्वीप है ।
- इसकी अन्य सहायक नदियां सुबनागिरी, धनश्री, पुथीमारी एवं मानस है ।
- भारत में सर्वाधिक जल विद्युत क्षमता इसी नदी में पाई जाती है ।
- यह बांग्लादेश में जाकर पद्मा में मिल जाती है । तथा बांग्लादेश में इस नदी को मेहाना के नाम से जाना जाता है ।
- गंगा व ब्रह्मपुत्र का मिलन ग्वालण्डा के पास होता है ।

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र
(Peninsular Drainage System)

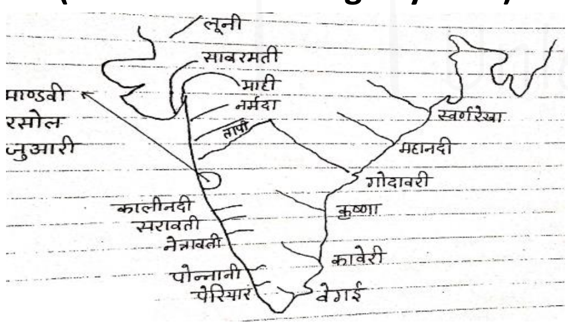

- प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र की नदियों को दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता है–

1. पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ

(a). **स्वर्णरेखा नदी:–**

- इस नदी का उदगम झारखण्ड में 'रांची के पठार' से होता है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है

(b). **महानदी:–**

- इस नदी का उदगम 'दण्डकरण्य पठार' से होता है तथा यह नदी छत्तीसगढ तथा उडीसा से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- महानदी की कुल लंबाई 860 किमी. है ।
- यह नदी एक कटोरे के आकार के बेसिन का निर्माण करती है । (चीन में 'हुआंग हे' नदी)
- इस नदी का बेसिन चावल की खेती के लिए विख्यात है तथा छत्तीसगढ को 'भारत का चावल का कटोरा' कहते है ।
- इस नदी पर ओडिसा राज्य में 'हीराकुण्ड बांध' स्थित है, जो कि भारत का सबसे लम्बा बांध है ।
- इब, मंड, हसदेव, श्योनाथ, तेल, जोंक इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(c). **गोदावरी**

- भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उदगम 'पश्चिमी घाट' में स्थित 'कलसुबाई चोटी (त्रिम्बक पठार में स्थित)' से होता है ।
- गोदावरी नदी के उपनाम वृद्धगंगा, बुढी गंगा, गौतमी है ।
- इसकी कुल लंबाई 1465 किमी. है ।
- यह नदी मुख्यतः महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में बहती है ।
- इस नदी के सहारे भारत का प्रमुख शहर नासिक बसा हुआ है । अन्य नगर – निजामाबाद, राजमुंदरी आदि है ।
- यह नदी महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- आन्ध्रप्रदेश में इस नदी पर 'पोलावरम परियोजना' का विकास किया जा रहा है ।
- पूर्णा, प्राणहिता, वेन गंगा, पेन गंगा, इन्द्रावती, सिलेरू आदि इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है
- सिलेरू नदी पर उडीसा में 'बालिमेला बांध' बना हुआ है ।

(d). **कृष्णा**

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट में 'महाबलेश्वर चोटी' से होता है तथा यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 1400 किमी. है ।

- कृष्णा नदी व गोदावरी दोनों मिलकर एक डेल्टा का निर्माण करती है । जिसका नाम केजी डेल्टा है ।
- कृष्णा नदी का उपनाम कृष्णवेणा है ।
- इस नदी पर महाराष्ट्र में कोयना बांध बना हुआ है ।
- विजयवाडा शहर कृष्णा नदी के किनारे बसा हुआ है ।
- कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, तुंगभद्रा, भीमा, मुसी इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(e). कावेरी

- इस नदी का उद्गम पश्चिमी घाट में स्थित ब्रह्मगिरी पहाडियों से होता है ।
- यह नदी कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों से बहती है ।
- कर्नाटक राज्य में इस नदी पर 'कृष्णराज सागर बाँध' स्थित है, जबकि तमिलनाडु में 'मेटुर बाँध' स्थित है ।
- इस नदी पर विख्यात 'शिव समुद्रम जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी को दक्षिण की गंगा के उपनाम से जाना जाता है ।
- इस नदी की कुल लम्बाई 800 किमी. है
- इसके किनारे पर बसे नगर मैसूर, तिरूचिरापल्ली, श्रीरंगपट्टनम आदि है ।
- इस नदी पर कर्नाटक में कृष्णा राजा सागर बांध है ।
- इस नदी में विख्यात 'श्रीरंगपट्टनम नदी द्वीप' स्थित है ।
- हेमावती, अर्कवती, भवानी, लक्ष्मणतीर्थ इस नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(f). वैगई नदी :-

- 'मदुरई शहर' वेगई नदी के किनारे बसा है ।

2. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ :

(a). लूणी नदी

- इस नदी का उद्गम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी कच्छ के रण में जाकर गिरती है ।
- राजस्थान के पश्चिम मरूस्थलीय भाग की सबसे प्रमुख नदी है ।
- इसे भारत की लवण नदी भी कहते है ।
- इसकी सहायक नदियां - मिठडी, जवाई, जोजडी, लीलडी है ।
- इसकी कुल लम्बाई 495 किमी. है ।
- यह नदी थार रेगिस्तान कि सबसे बडी नदी है
- इस नदी में कभी-कभी ज्यादा पानी आने से राजस्थान का बालोतरा (बाडमेर) में बाढ आ जाती है ।
- अपने उद्गम से लेकर बाडमेर में स्थित 'बालोतरा' नामक स्थान तक इस नदी का जल मीठा है तथा इसके पश्चात् इस नदी में खारा जल पाया जाता है ।

(b). साबरमती

- इस नदी का उद्गम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 371 किमी. है ।
- प्रमुख सहायक नदियां बाकल, हथमती, माजम आदि है ।
- 'गांधीनगर' व 'अहमदाबाद' शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). माही नदी

- इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश में विन्ध्याचल पर्वतों से होता है तथा राजस्थान व गुजरात से बहने के पश्चात यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है
- इसकी कुल लंबाई 576 किमी. है ।
- गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश में बहने वाली नदी है ।
- सहायक नदियां - सोम, जाखम, मोरिल, अनास आदि है ।
- उपनाम - आदिवासियों की गंगा, बांगड की गंगा, काठल की गंगा, दक्षिण राजस्थान की स्वर्ण रेखा
- यह नदी 'कर्क रेखा' को दो बार काटती है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे लम्बा बांध माही बजाज सागर बांध बना है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे ऊँचा बांध जाखम बांध भी बना हुआ है ।

Note

- विषुवत रेखा को दो बार काटने वाली नदी - कांगो (अफ्रीका)
- मकर रेखा को दो बार काटने वाली नदी - लिम्पोपो (अफ्रीका)

(d). नर्मदा नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'अमरकंटक पठार' से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात में बहती है ।
- इसकी कुल लंबाई 1312 किमी. है ।
- नर्मदा के उपनाम – मैकालसुता, शंकरी (शिवकी पुरी, रेवा, सौंगो, सोमदेव, नमादोरा आदि है ।)
- इस नदी का उल्लेख भारत के वेद सामवेद में मिलता है ।
- इस नदी के किनारे विश्व कि सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार वल्लभ भाई पटेल) स्थित है ।
- यह नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है ।
- यह एक नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह नदी 'विन्ध्याचल पर्वतों' तथा 'सतपुडा पर्वतों' के मध्य स्थित 'भ्रंश घाटी' से बहती है ।
- इस नदी पर 'जबलपुर' के नजदीक 'धुँआधार जलप्रपात (जिसे संगमरमर जल प्रपात भी कहा जाता है)' तथा 'कपिलधारा जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी पर मध्यप्रदेश में 'इन्दिरा सागर परियोजना/बांध' स्थित है, जिससे बनने वाला 'इन्दिरा सागर जलाशय' भारत की सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।
- गुजरात में इस नदी पर 'सरदार सरोवर परियोजना/बांध' स्थित है जो कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है ।
- हिरण, तवा, छोटा तवा व कुण्डी नर्मदा की कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- गुजरात का प्रमुख शहर 'भंडोच' नर्मदा नदी के किनारे स्थित है ।

(e). तापी नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'बैतुल पठार' से होता है तथा यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह 'सतपुडा व अजन्ता पहाडियों' के मध्य स्थित भ्रंश घाटी से बहती है ।
- इस नदी पर गुजरात में 'उकाई' तथा 'काकरापारा' परियोजनाएँ स्थित है ।
- इसकी सहायम नदी ग्रुर्णा है ।
- भारत कि यह नदी पूर्व से पश्चिम कि ओर बहने वाली दूसरी नदी है ।
- कुल लम्बाई 740 किमी. है ।
- उपनाम-सूर्यपुत्री, तापी आदि है ।
- 'सूरत' शहर इसी नदी के किनारे बसा है ।

(f). शरावती नदी :- कर्नाटक में 'जोग जल प्रपात' इसी नदी पर स्थित है ।

(g). पेरियार नदी

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट से होता है तथा यह अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह केरल की सबसे प्रमुख नदी है तथा इसे 'केरल की जीवन रेखा' कहा जाता है ।
- इस नदी पर केरल में 'इडुकी परियोजना (Idukki Project)' स्थित है ।

अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र

घग्घर नदीः-

- इस नदी का उदगम हिमाचल प्रदेश में शिमला कालका की पहाडियों से होता है ।
- यह हरियाणा से होती हुई राजस्थान के गंगानगर जिले के हनुमानगढ नामक स्थान तक जाती है ।
- मानसून के दौरान यह नदी पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास नामक स्थान तक जाती है ।
- यह नदी भारत के सबसे बडे अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है ।

भारत की प्रमुख झीलें

क्र.सं.	झील	राज्य
1.	चिल्का झील	ओडिशा
2.	वुलर झील	जम्मू-कश्मीर
3.	पुलीकट झील	तमिलनाडु
4.	कोलेरू झील	आंध्रप्रदेश
5.	लोकटक झील	मणिपुर
6.	लोनार झील	महाराष्ट्र
7.	सांभर झील	राजस्थान
8.	हुसैन सागर	तेलंगाना
9.	डल झील	जम्मू-कश्मीर

जैव–विविधता
(Bio-Diversity)

- किसी क्षेत्र में मिलने वाली जीवन की विभिन्नता (Variation), उस क्षेत्र की 'जैव–विविधता' कहलाती है।
- किसी क्षेत्र की जैव–विविधता (Bio-Diversity) का अनुमान लगाते समय उस क्षेत्र में मिलने वाली प्रजातिय विविधता (Species), आनुवांशिक विविधता (Genetic) तथा पारिस्थितिकी विविधता को सम्मिलित किया जाता है
- जैव विविधता किसी क्षेत्र में जीवन के अस्तित्व के बने रहने की संभावनाओं को बढ़ा देती है। जैव विविधता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए भारत में मुख्य रूप से 3 प्रकार के सुरक्षित/आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं –
  - वन्य जीव अभ्यारण्य – 566
  - राष्ट्रीय उद्यान (पार्क) – 104
  - जैव आरक्षित क्षेत्र – 18

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान
(National Park)

क्रमांक	राज्य का नाम	संरक्षित क्षेत्र का नाम	अधिसूचना का वर्ष	क्षेत्रफल (किमी^{2} में)
1.	आंध्र प्रदेश	(i) पपिकोंडा	2008	1012.8588
2.		(ii) राजीव गाँधी (श्रीरामेश्वरम)	2005	2.3952
3.		(iii) श्री वेंकटेश्वर	1989	353.62
4.	अरुणाचल प्रदेश	(iv) नागदफा राष्ट्रीय उद्यान	1986	483
5.		(v) मोलिंग राष्ट्रीय उद्यान	1983	1807.82
6.	असम	(i) डिब्रू–सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान	1999	340
7.		(ii) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1974	858.98
8.		(iii) मानस राष्ट्रीय उद्यान	1990	500
9.		(iv) नामेरी	1998	200
10.		(v) राजीव गाँधी (ओरंग)	1999	78.81
11.	बिहार	(i) वाल्मीकि	1989	335.65
12.	छत्तीसगढ	(i) गुरु घासीदास (संजय)	1981	1440.71

13.		(ii) इंद्रावती (कुटरू)	1982	1258.37
14.		(iii) कांगार घाटी	1982	200
15.	गोवा	(i) मोल्लेम	1992	107
16.	गुजरात	(ii) ब्लैकबक (वेलवदार)	1976	34.53
17.		(iii) गिर	1975	258.71
18.		(iv) समुद्री (कच्छ की खाड़ी)	1982	162.89
19.		(v) वासंदा	1979	23.99
20.	हरियाणा	(i) कालेसारी	2003	46.82
21.		(ii) सुल्तानपुर	1989	1.43
22.	हिमाचल प्रदेश	(i) ग्रेट हिमालयन	1984	754.4
23.		(ii) इन्द्रकिला	2010	94
24.		(iii) खीरगंगा	2010	705
25.		(iv) पिन वैली	1987	675
26.		(v) सिम्बलबारा	2010	27.88
27.	झारखंड	(i) बेतला	1986	226.33
28.	कर्नाटक	(i) अंशी राष्ट्रीय उद्यान	1987	417.34
29.		(ii) बांदीपुर	1974	872.24
30.		(iii) बन्नेरुघट्टा	1974	260.51
31.		(iv) कुद्रेमुख	1987	600.57
32.		(v) नागरहोल (राजीव गाँधी)	1988	643.39
33.	केरल	(i) अन्नामुडी शोला	2003	7.5
34.		(ii) एराविकुलम	1978	97
35.		(iii) मथिकेटन शोला	2003	12.82
36.		(iv) पंम्बाटुम शोला	2003	1.32
37.		(v) पेरियार	1982	350
38.		(vi) साइलेंट वैली	1984	89.52
39.	मध्य प्रदेश	(i) बांधवगढ़	1968	448.842
40.		(ii) फॉसिल	2011	0.897
41.		(iii) इन्द्रा प्रियदर्शनी पेंच	1983	0.27
42.		(iv) कान्हा	1975	292.857
43.		(vi) पन्ना	1955	941.793
44.		(viii) संजय	2018	748.761
45.		(ix) सतपुड़ा	1959	375.23
46.		(x) माधव	1981	542.66